राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड

राष्ट्रीय डेरी योजना
मिशन मिल्क
अगली क्रांति

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड

कृत्रिम गर्भाधान सेवा प्रदान करने के लिए प्रमाणित कार्यपद्धति

कृत्रिम गर्भाधान से बेहतर गर्भधारण तथा अधिक दूध उत्पादन क्षमता के अगली पीढ़ी के पशु प्राप्त करने के लिए तकनीशियन को निम्नलिखित प्रमाणित कार्यपद्धति का अनुकरण करने का अनुरोध करें।

वीर्य को सुरक्षित रखने के लिए उसे तरल नाइट्रोजन के विशेष पात्र में रखना आवश्यक है। अतः ऐसे तकनीशियन जो जेब में, थर्मस में, बर्फ या पानी में वीर्य रखते हैं, उनसे अपने पशुओं का गर्भाधान न कराएं।

हिमीकृत वीर्य को तरल करने के लिए उसे **35-37** डिग्री सेंटिग्रेड तापमान के पानी में **20-30** सेकंड रखना ही एकमात्र प्रभावी तरीका है अतः तकनीशियन को थर्मामीटर या थॉ-मानीटर का प्रयोग करने का आग्रह करें।

प्रजनन हेतु सांड़ का चुनाव राज्य की पशु-प्रजनन नीति के अनुसार ही करें।

केवल 'ए' या 'बी' श्रेणी के वीर्य उत्पादन केन्द्रों पर उत्पादित वीर्य का प्रयोग करने वाले तकनीशियन से ही अपने पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान करायें।

कृत्रिम गर्भाधान से पहले पशु की योनि को साफ करने और हर बार नई 'शीथ' का प्रयोग करने के लिए तकनीशियन को बाध्य करें।

12 अंकों का विशिष्ट 'टैग' पशु के कान में लगवाकर पशु की पहचान सुनिश्चित करें। इससे प्रजनन का विश्वसनीय 'रेकॉर्ड' रखने में और भविष्य में बेहतर सेवाएं प्रदान करने में सुविधा होगी।

तकनीशियन को पशु से संबंधित आवश्यक जानकारी दें। इससे बेहतर अनुसरण सेवाएं प्रदान करने में सुविधा होगी।

कृत्रिम गर्भाधान के **2-3** माह बाद गर्भावस्था की जांच अवश्य करवाएं।

नस्ल सुधार प्रगति का आधार

सम्पर्कः राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड, आणंद – 388001